मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 205, मुंबई, शुक्रवार, 23 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट की न्यूज चैनल्स को फटकार

न्यूज चैनल भड़काऊ बयानबाजी का प्लेटफॉर्म बन गए हैं। प्रेस की आजादी अहम है, लेकिन बिना रेगुलेशन के टीवी चैनल हेट स्पीच का जरिया बन गए हैं

- सुप्रीम कोर्ट

नफरत को रोकना एंकर की जिम्मेदारी, सरकार इस पर आंखें मूंदकर क्यों बैठी है?

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच से भरे टॉक शो और रिपोर्ट टेलीकास्ट करने पर टीवी चैनलों को जमकर फटकार लगाई है। हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस ऋषिकेश रॉय की बेंच ने बुधवार को कहा कि यह एंकर की जिम्मेदारी है कि वह किसी को नफरत भरी भाषा बोलने से रोके। बेंच ने पूछा कि इस मामले में सरकार मूकदर्शक क्यों बनी हुई है, क्या यह एक मामूली मुद्दा है? **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

हेट स्पीच से फायदा सिर्फ नेताओं को

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि हेट स्पीच से राजनेताओं को सबसे ज्यादा फायदा होता है और टेलीविजन चैनल उन्हें इसके लिए मंच देते हैं। सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े ने कहा- चैनल और राजनेता ऐसी हेट स्पीच से ही चलते हैं। चैनलों को पैसा मिलता है, इसलिए वे दस लोगों को बहस में रखते हैं।

नवंबर में होगी अगली सुनवाई

एंटी हेट स्पीच कानून बनाने की तैयारी में सरकार

उल्हासनगर में बड़ा हादसा

इमारत की स्लैब गिरने से 4 की मौत, 1 घायल

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई से सटे उल्हासनगर में एक इमारत का स्लैब गिर जाने से 4 लोगों की मौत हो गई है। कैंप पांच में हुई इस दुर्घटना में 1 गंभीर रूप से जख्मी है। जख्मी शख्स को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यह इमारत उल्हासनगर के कैंप पांच के ओटी सेक्शन इलाके में मौजूद है। इमारत का नाम मानस टॉवर है। यह पांच मंजिला इमारत है। इसकी तीसरी मंजिल का स्लेब गिरा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महापालिका ने नोटिस पहले ही भिजवाया था, इमारत खाली करवाया था

अदालत ने पीएफआई के पांच सदस्यों को पांच दिन के लिए महाराष्ट्र एटीएस की हिरासत में भेजा

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पांच सदस्यों को 26 सितंबर तक के लिए महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) की हिरासत में भेज दिया। इन सभी पर 'समुदायों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने वाली गैरकानूनी गतिविधियों' और 'देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने' में शामिल होने का आरोप है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की अगुवाई में कई एजेंसी द्वारा चलाये गए देशव्यापी अभियान के तहत एटीएस ने बृहस्पतिवार को राज्य के विभिन्न स्थानों से पीएफआई के कुल 20 सदस्यों को गिरफ्तार किया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

संवाद में अपराध नहीं

आज से करीब बारह साल पहले देश की राजनीति, सत्ता प्रतिष्ठान, उद्योग जगत और मीडिया को झकझोर देने वाला नीरा राडिया प्रकरण अब फिर चर्चा में है। सीबीआई ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई राजनेताओं, उद्योगपतियों और सरकारी अधिकारियों के साथ पूर्व कॉरपोरेट लॉबिस्ट नीरा राडिया की रिकॉर्ड की गई बातचीत की जांच में कोई अपराध नहीं पाया गया है। यह भी दिलचस्प है कि जांच रिपोर्ट साल 2015 में ही सौंप दी गई थी। सौंपी गई रिपोर्ट के नतीजे के बारे में अब जाकर पता चला है, तो इसका सीधा मतलब है कि विगत वर्षों में इस 'हाई प्रोफाइल' मामले में ज्यादा रुचि नहीं ली गई है। आमतौर पर ऐसे मामलों में कुछ सिद्ध करना कठिन होता है। किसी लाभ के लिए परस्पर संवाद, समन्वय बनाना और अपने हिसाब से फैसले कराने की कोशिश करना किसी अपराध की श्रेणी में तो नहीं कहा जा सकता। हर फैसले में असंख्य लोग शामिल होते हैं, हर फैसला किसी के लिए सही, तो किसी के लिए प्रतिकूल भी हो सकता है। अतः नीरा राडिया मामले में अगर सीबीआई को किसी अपराध के साक्ष्य नहीं मिले हैं, तो अचरज की बात नहीं। वैसे नीरा राडिया मामले में अदालत में अक्तूबर से सुनवाई शुरू हो जाएगी, तो उसके पहले सीबीआई को शायद एक और स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने की जरूरत पड़ेगी। दरअसल, यह पूरा मामला मशहूर उद्योगपति रतन टाटा द्वारा दायर याचिका के चलते उठा है। साल 2010 में कुछ टेप लीक हुए थे और रतन टाटा ने ऑडियो टेप लीक होने की जांच की मांग की थी, उन्होंने उस लीक को अपनी निजता के अधिकार का उल्लंघन बताया था। इसके अलावा, एक गैर-सरकारी संगठन 'सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' ने भी टेप की जांच के लिए दबाव डाला और मांग की थी कि टेप को सार्वजनिक किया जाए। ध्यान रहे, टेप किए गए संवादों की संख्या 5,800 है। यह भी दिलचस्प है कि ये टेप कर चोरी की निगरानी या जांच के लिए किए जा रहे थे। कर चोरी का मामला तो छोटा पड़ गया, जो प्रभु-वर्गीय लोगों की परस्पर बातचीत थी, वह प्रमुखता से सामने आ गई। यह भी ध्यान रखने की बात है कि इन परस्पर संवादों को अब 13-14 साल से ज्यादा बीत चुके हैं। देश में कॉरपोरेट लॉबिस्ट और गणमान्य लोग परस्पर कैसे-क्या बातें करते हैं, इसका अंदाजा तो सर्वोच्च न्यायालय को साल 2013 में ही हो गया था और लोगों के बीच भी वे संवाद सुर्खियों में रहे थे, लेकिन अब उनमें अपराध के सूत्र खोजना आसान नहीं है। मतलब, साक्ष्यों के अभाव में इस प्रकरण को आगे बढ़ाना अदालत पर ही निर्भर है। सर्वोच्च न्यायालय ने साल 2013 में सीबीआई जांच का आदेश देते हुए देश के प्रभु या प्रभावशाली वर्गों की परस्पर दुरभिसंधि की ओर इशारा किया था, लेकिन बाद में गंभीरता खत्म हो गई। वैसे अपने देश में सत्ता वर्ग और उसके आस-पास बहुत कुछ ऐसा होता है, जो नहीं होना चाहिए, लेकिन इन चीजों को रोकने के उपायों-साधनों की बड़ी कमी है। लोग भूले नहीं हैं, लगभग तीस साल पहले वोहरा समिति की रिपोर्ट संसद में पेश हुई थी, जिसमें अपराधी-नेता-अफसर की साठगांठ पर प्रकाश डाला गया था, लेकिन जमीन पर कुछ खास कार्रवाई नहीं दिखी थी। वस्तुतः किसी भी क्षेत्र में सुधार सामूहिक जिम्मेदारी है, तो हमें यह सोच लेना चाहिए कि किसी सुधार के लिए आम लोग स्वयं कितने लालायित हैं।

चंदे का हिसाब तो होना चाहिए

सोचें, देश के तमाम गैर सरकारी संगठनों के विदेशी चंदे की जांच हो रही है और एफसीआरए लाइसेंस रद्द किया जा रहा है लेकिन पार्टियों को उसके दायरे से बाहर कर दिया गया! सो, चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे के मामले में समग्रता से विचार करना चाहिए। अगर वह समग्रता से नहीं विचार कर सकती है तो उसे 20 हजार रुपए नकद चंदे की बजाय इलेक्टोरल बांड से मिलने वाले बड़े चंदे की जांच पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उसमें पारदर्शिता और बराबरी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। उसे विदेशी चंदे के मामले में दखल देना चाहिए और उसकी जांच करनी चाहिए। नकद चंदे के मामले में आयोग ने जो पहल की है उसका निशाना सिर्फ छोटी और विपक्षी पार्टियां बनेंगी। उनकी भी जांच होनी चाहिए लेकिन उनसे ज्यादा जरूरी है कि बड़ी और सत्तारूढ़ पार्टियों की जांच हो।

चुनाव आयोग के इस प्रस्ताव का स्वागत किया जाना चाहिए कि पार्टियों को मिलने वाले नकद चंदे की सीमा तय की जाए लेकिन साथ ही यह उम्मीद भी की जानी चाहिए कि वह पार्टियों को हर तरह से मिलने वाले चंदे का हिसाब रखे और यह सुनिश्चित करे कि सत्तारूढ़ दल और विपक्षी दलों के बीच गैर बराबरी की स्थिति न बने। चुनाव आयोग को चुनिंदा प्रस्ताव नहीं भेजना चाहिए और न चुनिंदा तरीके से बरताव करना चाहिए। वह पार्टियों को मिलने वाले 20 हजार रुपए के नकद चंदे को लेकर तो चिंतित है लेकिन इलेक्टोरल बांड के जरिए सैकड़ों करोड़ रुपए के चंदे का लेन-देन ऐसे गोपनीय तरीके से हो रहा है कि किसी को पता ही नहीं चल रहा है किसने, किसको, कितना चंदा दिया, उसके बारे में आंख बंद किए हुए है। चुनाव आयोग को यह चिंता है कि पार्टियों को नकद चंदे की सीमा 20 करोड़ रुपए से ज्यादा नहीं होनी चाहिए लेकिन विदेश से मिलने वाले चंदे की कोई जांच नहीं होगी तो इससे उसको कोई चिंता नहीं है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। चुनाव आयोग को राजनीतिक चंदे के मामले में समग्रता से विचार करना चाहिए।

चुनाव आयोग ने सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है कि पार्टियों को मिलने वाले नकद चंदे की सीमा 20 हजार रुपए से घटा कर दो हजार रुपए की जाए। यानी जो गुमनाम चंदा होता है वह प्रति व्यक्ति दो हजार से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि इस तरह के अधिकतम चंदे की सीमा भी तय की जाए। आयोग के प्रस्ताव के मुताबिक वह सीमा कुल चंदे के 20 फीसदी या 20 करोड़ रुपए नकद में से जो कम हो उसके बराबर होनी चाहिए। इसका मतलब है कि व्यावहारिक तौर पर आयोग ने नकद चंदे की सीमा 20 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव दिया है। सवाल है कि इतना भी क्यों होना चाहिए? क्यों नहीं सारा चंदा चेक से या डिजिटल तरीके से लेने का कानून बने और क्यों नहीं राजनीतिक दलों के चंदे को आय कर के दायरे में लाया जाए? क्यों नहीं पार्टियों को मिलने वाले हर पैसे का हिसाब हो और उस पर टैक्स लगाया जाए? आखिर पार्टियां कोई देश और समाज की सेवा तो कर नहीं रही हैं? वे जनता से चंदे के रूप में मिले टैक्स फ्री पैसे से चुनाव लड़ती हैं और जीतने के बाद उनको जनता के टैक्स के पैसे से मोटा वेत्तन और भत्ता मिलता है। तो फिर उनके चंदे को टैक्स फ्री क्यों रहना चाहिए? भारत में हमेशा से यह नियम रहा है कि जो सरकार में होता है उसे ज्यादा चंदा मिलता है। क्या यह अपने आप में 'क्विड प्रो को' यानी मिलीभगत का सबूत नहीं है? क्या इससे यह प्रमाणित नहीं होता है कि सरकारी पार्टी को व्यक्तिगत या सांस्थायिक या कॉरपोरेट चंदा इसलिए ज्यादा मिलता है कि वह चंदा देने वालों की किसी तरह से मदद कर सकती है? यह तो दो जमा दो की तरह का आसान हिसाब है। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया। पहले से भी ऐसा होता था कि सरकार में रहने वालों को ज्यादा चंदा मिलता था लेकिन तब विपक्षी पार्टियों को भी कुछ चंदा मिल जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब लगभग समूचा चंदा सत्तारूढ़ दल यानी भाजपा को जाता है। इस बात को प्रमाणित करने के लिए हर साल का आंकड़ा देने की जरूरत नहीं है। सिर्फ एक या दो साल के आंकड़ों से पता चल जाएगा। कोरोना वायरस जब चरम पर था, तब यानी वित्त वर्ष 2020-21 में भाजपा को 477 करोड़ रुपए का चंदा मिला था, जो कुल चंदे का 80 फीसदी था। उस समय सभी पार्टियों को मिला कर बड़े चंदे यानी नकद दिए जाने वाले चंदे के अलावा जो बड़ा चंदा होता वह 593 करोड़ का था, जिसमें से 80 फीसदी अकेले भाजपा को मिला था। देश की बाकी तमाम बड़ी पार्टियों को मिल कर जितना चंदा मिला उससे चार गुना अकेले भाजपा को मिला। चुनाव आयोग को क्या इस बारे में नहीं सोचना चाहिए? इसके बाद आते हैं इलेक्टोरल बांड के मामले में। केंद्र की सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी की सरकार ने इलेक्टोरल बांड का एक सिस्टम शुरू किया। साल में चार बार इलेक्टोरल बांड जारी होते हैं और उन्हें कोई भी खरीद सकता है और खरीद कर उसे राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में दे सकता है। इस कानून के मुताबिक किसी को पता नहीं चलेगा कि इलेक्टोरल बांड किसने खरीदा। इसे पूरी तरह से गोपनीय रखा गया है। इससे राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता पूरी तरह से समाप्त कर दी गई है। यह झूठा प्रचार है कि बांड खरीदने वाली कंपनियां अपने बही-खाते में इसे दर्ज करेंगी। वह बही-खाता जनता के सामने नहीं आता है। इसलिए किसी को पता नहीं चलता है कि किस कॉरपोरेट घराने या कंपनी या व्यक्ति ने इलेक्टोरल बांड से किसको कितना चंदा दिया। इसी आधार पर चुनाव आयोग ने इसका विरोध किया था और भारतीय रिजर्व बैंक ने भी इसका विरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट में इसके विरोध में बरसों से एक याचिका लंबित है, जिस पर अब सुनवाई होनी है। उस याचिका में यह भी आशंका जताई गई है कि इससे काले धन को बढ़ावा मिलेगा। यह एक तथ्य नोट रखने लायक है कि इलेक्टोरल बांड से चंदे की शुरूआत होने के बाद पहले साल में इसके जरिए 95 फीसदी चंदा भाजपा को मिला था। इलेक्टोरल बांड से यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी कॉरपोरेट विपक्षी पार्टियों को चंदा न दे क्योंकि और किसी को पता हो या न हो कि बांड किसने खरीदा, सरकार को इसकी जानकारी रहती है।

इसके बाद तीसरा मामला विदेशी चंदे का है। दिल्ली हाई कोर्ट ने विदेशी चंदे के मामले में कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियों को एफसीआरए के उल्लंघन का दोषी माना था। लेकिन केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने 2018 में पार्टियों को मिलने वाले विदेशी चंदे के कानून में ही बदलाव कर दिया, जिससे 1976 के बाद से पार्टियों को मिले विदेशी चंदे को जांच से बाहर कर दिया गया। इसमें कांग्रेस ने भी भाजपा का साथ दिया। सोचें, देश के तमाम गैर सरकारी संगठनों के विदेशी चंदे की जांच हो रही है और एफसीआरए लाइसेंस रद्द किया जा रहा है लेकिन पार्टियों को उसके दायरे से बाहर कर दिया गया! सो, चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे के मामले में समग्रता से विचार करना चाहिए। अगर वह समग्रता से नहीं विचार कर सकती है तो उसे 20 हजार रुपए नकद चंदे की बजाय इलेक्टोरल बांड से मिलने वाले बड़े चंदे की जांच पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उसमें पारदर्शिता और बराबरी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। उसे विदेशी चंदे के मामले में दखल देना चाहिए और उसकी जांच करनी चाहिए। नकद चंदे के मामले में आयोग ने जो पहल की है उसका निशाना सिर्फ छोटी और विपक्षी पार्टियां बनेंगी। उनकी भी जांच होनी चाहिए लेकिन उनसे ज्यादा जरूरी है कि बड़ी और सत्तारूढ़ पार्टियों की जांच हो।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा कलवा दिवा शिल में एमआईएम पार्टी द्वारा टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के विरुद्ध में शुरू किया गया सर्वे अभियान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी का ग्राहकों के प्रति बढ़ता अत्याचार, फास्ट रीडिंग मीटर, पीडी बकाया वसूली मामला, जबरन सही मीटर बदली करना, ज्यादा बिल भेजना, ग्राहकों पर फर्जी एफआईआर करने की धमकी देना, ग्राहकों के साथ दादागिरी करना, ग्राहकों की किसी प्रकार की शिकायत नहीं सुनना, इस तरह के तमाम मामले को लेकर गत 22 सितंबर गुरुवार 2 बजे एमआईएम के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान ने अपने तमाम कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस ली गई पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि जिस तरह से मुंब्रा कलवा दिवा शिल मैं टोरेंट कंपनी के विरुद्ध में काफी शिकायतें हमारी कार्यालय में दिन-रात आ रही है उन्होंने शिकायत के बारे में बताया सबसे पहले टोरेंट पावर द्वारा ग्राहकों को ज्यादा बिल भेजा जा रहा है दूसरा पीडी बकाया बिल वसूला जा रहा है जोकि भारतीय विद्युत अधिनियम के खिलाफ है भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 के तहत जो बिजली विभाग दो वर्षों के भीतर ग्राहकों से बिल वसूली नहीं कर पाया तो उसे अधिकार नहीं है पीडी बिल वसूल करने का फिर किस तरह से टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा पीड़ी का बिल जबरन वसूली किया जा रहा है ग्राहकों को एफआईआर की धमकी दी जा रही है खुद टोरेंट पावर कंपनी द्वारा मीटर में छेड़छाड़ किया जा रहा है और आरोप ग्राहकों पर लगाया जा रहा है दो लाख से

अधिक जुमार्ना ठोका जा रहा है और बाद में राजनेता के दलालों के माध्यम से सेटलमेंट एक लाख से डेढ़ लाख मैं किया जा रहा है किस तरह का खेल टोरेंट पावर द्वारा हमारे शहरों में खेला जा रहा है बढ़ाकर बिल भेजना अपनी मनमानी करना सही मीटर जबरन बदली करना क्या टोरेंट पावर कंपनी यह चाहती है जिस तरह से भिवंडी शहर को बर्बाद कर दिया गया है और बेरोजगारी बढ़ा दी गई है सारे लूम को बंद कर दिया गया है क्या वही हाल मुंब्रा कलवा दिवा शहर में करना चाहती है वह हम कदापि होने नहीं देंगे एक तो अचानक रातो रात राजनेताओं की टेबल के नीचे मिलीभगत के कारण टोरेंट पावर लिमिटेड को प्रवेश कराया गया जबकि ऊर्जा मंत्री के पी ए ने कहा था कि टोरेंट पावर आपके शहर में आने से पहले जनता से मीटिंग की जाएगी क्योंकि इसका विरोध मरहूम रफीक मुकदम द्वारा पहले से ही किया जा रहा था कई बार हम लोगों ने भूख हड़ताल की हमारी भूख हड़ताल को यह कह कर टाला जा रहा था कि टोरेंट पावर कंपनी बिना जनता की सहमति के आपके शहरों में नहीं आएगी लेकिन राजनेताओं ने अपने फायदे के लिए मुंब्रा कलवा दिवा शिल की जनता को गड्ढे में डाल दिया राजनेताओं को तो भरपूर लाभ पहले ही टॉरेंट पावर लिमिटेड द्वारा दिया गया लेकिन जनता के साथ में सिर्फ धोखाधड़ी की गई हम लोगों ने हमेशा हमारी पार्टी के माध्यम से टोरेंट के विरोध में आवाज उठाई है कि टोरंट को मुंब्रा में प्रवेश न दिया जाए कई पत्र दिए गए एमएसईडीसीएल के आला अधिकारियों को लेकिन वर्ष 2021 में टोरेंट को राजनेताओं की आशीर्वाद से प्रवेश दे दिया गया मार्च 2021 में लॉकडाउन लग गया लगातार आठ महीनों तक टोरेंट पावर लिमिटेड के कर्मचारी द्वारा मीटर रीडिंग नहीं ली जा रही थी और उन लोगों ने मौके का फायदा उठाते हुए एवरेज बिल मारना शुरू कर दिया जिसका खामियाजा आज तक जनता को भुगतना पड़ रहा है यह तमाम टोरेंट के बढ़ते अत्याचारों को देखते हुए हम लोगों ने एमआईएम मुंब्रा कलवा टीम तहरीक और सर्वे अभियान दो महीनों तक चलाया जाने की शुरूआत की है यह सर्वे अभियान मुंब्रा कलवा दिवा शिल की जनता से टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी की सेवाओं के बारे में पूछा जाएगा की जनता किस हद तक टॉरेंट पावर कंपनी से खुश ह या नहीं एमआईएम पार्टी द्वारा तीन लाख फॉर्म बनाए गए हैं जिसमें ग्राहकों का नाम पता मीटर नंबर कंजूमर नंबर मोबाइल नंबर होगा और हम इस फॉर्म के माध्यम से ग्राहकों से यह पूछेंगे क्या आप टॉरेंट पावर कंपनी की सेवाओं से संतुष्ट हैं जवाब सिर्फ आपको हां या ना में देना है ऐसे तकरीबन 15 सवाल जवाब हम फॉर्म के माध्यम से जनता से पूछेंगे अगर जनता संतुष्ट है टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी की सेवाओं से तो कोई बात नहीं और अगर जनता ने टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी का विरोध जताया तो हम इसकी शिकायत एमएसईडीसीएल से करेंगे और बाद में न्यायालय का दरवाजा खटखटाया उन्होंने मुंब्रा कलवा दिवा शिल की जनता से अपील की है कि वह हमारा इस सर्वे अभियान में साथ दें और जो लोग टोरेंट के विरोध में लड़ाई लड़ रहे हैं उन्हें भी में आमंत्रित करता हूं कि वह हमारे साथ मिलकर लड़ाई लड़े और मुंब्रा कलवा दिवा शिल शहर को टॉरेंट मुक्त करें ताकि जिस तरह से तीन शहरों से औरंगाबाद नागपुर जलगांव मै निजी करण कंपनी को बाहर का रास्ता दो वर्षों में दिखा दिया गया हमें पूरी उम्मीद है कि हम मुंब्रा शहर को भी टोरेंट मुक्त करेंगे और उस वक्त ऐसी खुशी मनाएंगे जो खुशी देश को आजादी मिलने के बाद मनाई गई थी।

डोंबिवली पश्चिम में गिरी दीवार, 2 लोगों की हुई मौत, 3 जख्मी

मुंबई। मुंबई से सटे ठाणे जिले के डोंबिवली इलाके में दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है और तीन लोग जख्मी हो गए हैं। यह दीवार डोंबिवली रेलवे लाइन के किनारे बनाई जा रही है। दीवार बनाने का काम शुरू रहते ही यह गिर गई। इससे दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन लोग जख्मी हैं। उनका नजदीकी अस्पताल में इलाज शुरू है। फायरब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और मलबा हटाने का काम शुरू है। यह दुर्घटना डोंबिवली के पश्चिमी इलाके में हुई है। शाम साढ़े चार बजे के करीब अचानक यह दीवार गिर गई। इसके नीचे पांच मजदूर खड़े थे। वे सब दीवार गिरने से इसके मलबे में दब गए। तुरंत स्थानीय लोगों की मदद से इन्हें बाहर निकालने का काम किया

गया। लेकिन दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी और तीन मजदूर बुरी तरह से घायल हो गए। उनका करीबी अस्पताल में इलाज शुरू है। घायल मजदूरों को डोंबिवली के ही शास्त्रीनगर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जो पांच मजदूर मलबे में दब गए थे उनके नाम और उनकी पहचान जाहिर हो चुकी है। जिन दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी उनके नाम मल्लेश चव्हाण और बंडू कोवासे है। मल्लेश चव्हाण की उम्र 35 साल और बंडू कोवासे की उम्र 50 साल है। इसके अलावा जो तीन लोग जख्मी हुए हैं, इन तीन लोगों में माणिक पवार, विनायक चौधरी और युवराज गुत्तवार शामिल हैं। माणिक पवार की उम्र 62 साल है जबकि बाकी दोनों मजदूरों की उम्र 35 साल है। अब तक इस दुर्घटना के कारणों की वजह पता नहीं चल पाई है। पुलिस द्वारा स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ शुरू है। अचानक हुई इस दुर्घटना से आसपास दहशत का माहौल है स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को तुरंत सूचना दी और उनके आने से पहले घायलों की मदद के लिए सराहनीय प्रयास किया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट की न्यूज चैनल्स को फटकार

कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जरूरी है, लेकिन टीवी पर अभद्र भाषा बोलने की आजादी नहीं दी जा सकती है। ऐसा करने वाले यूनाइटेड किंगडम के एक टीवी चैनल पर भारी जुर्माना लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मेनस्ट्रीम मीडिया या सोशल मीडिया चैनल बिना रेगुलेशन के हैं। यह देखना एंकर्स की जिम्मेदारी है कि कहीं भी हेट स्पीच न हो। प्रेस की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। उन्हें अमेरिका जितनी आजादी नहीं है, लेकिन यह पता होना चाहिए कि सीमा रेखा कहां खींचनी है। नफरत फैलाने वाले शो दर्शकों को क्यों पसंद आते हैं, इस पर कोर्ट ने कहा कि किसी रिपोर्ट में नफरत से भरी भाषा कई लेवल पर होती है। ठीक वैसे, जैसे किसी को मारना। आप इसे कई तरह से अंजाम दे सकते हैं। चैनल हमें कुछ विश्वासों के आधार पर बांधे रखते हैं, लेकिन सरकार को प्रतिकूल रुख नहीं अपनाना चाहिए। उसे कोर्ट की मदद करनी चाहिए। टीवी चैनलों की हेट स्पीच वाली याचिकाओं पर अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी। कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह ये स्पष्ट करे कि क्या वह हेट स्पीच पर अंकुश लगाने के लिए विधि आयोग की सिफारिशों पर कार्रवाई करने का इरादा रखती है। केंद्र सरकार ने 5 साल के लंबे परामर्श के बाद सोशल मीडिया पर नफरत भरे कंटेंट रोकने के लिए एंटी हेटस्पीच कानून बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। हेटस्पीच को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों, अन्य देशों के कानूनों और अभिव्यक्ति की आजादी के तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कानून का ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है। इसमें हेटस्पीच की परिभाषा स्पष्ट होगी, ताकि लोगों को भी यह पता रहे कि जो बात वे बोल या लिख रहे हैं, वह कानून के दायरे में आती है या नहीं।

उल्हासनगर में बड़ा हादसा

दोपहर के वक्त तीसरी मंजिल का स्लैब गिर कर सीधे ग्राउंड फ्लोर में चक्की पर आ गिरा। इससे मलबे के नीचे कुछ लोग दब गए। इस भयानक हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई और 1 शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया। लेकिन 5 लोगों को मलबे से खींच कर बाहर निकालने में कामयाबी मिली है। उल्हासनगर महापालिका के फायर ब्रिगेड द्वारा मलबे उठाने का काम जारी है। एनडीआरएफ की टीम भी बुलाई गई है। उल्हासनगर महापालिका आयुक्त द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक जख्मी शख्स को पास के अस्पताल में ले जाया गया है और उनका इलाज शुरू है। जिन चार लोगों की दुःखद मौत हो गई है, उनका नाम सागर ओचानी, रेणू धनवानी, धोलानदास धनावनी और प्रिया धनवानी है। मानस टॉवर को को उल्हासनगर महापालिका द्वारा जर्जर और जोखिम से भरी इमारत घोषित किया गया था। यही वजह है कि इसे खाली करवा लिया गया था। इसके बावजूद कुछ लोग कहीं और शिफ्ट करने में परेशानियों की वजह से छुपकर यहां रह रहे थे। यही वजह है कि पहले से ही जिसकी आशंका थी, वो गुरुवार की दोपहर को पूरी हुई। इस इमारत का स्लैब गिर गया और दुखद रूप से चार लोगों की दब कर मौत हो गई।

अदालत ने पीएफआई के पांच सदस्यों को पांच दिन के लिए महाराष्ट्र एटीएस की हिरासत में भेजा

इनमें से पांच को यहां की एक अदालत में पेश किया गया और एटीएस ने अदालत से अनुरोध किया कि उन्हें 14 दिन के लिए उसकी हिरासत में सौंपा जाए। अदालत ने हालांकि उन्हें पांच दिन के लिए जांच एजेंसी की हिरासत में भेजा। देश में आतंकी गतिविधियों का कथित रूप से समर्थन देने के आरोप में बृहस्पतिवार को 11 राज्यों में कुल 106 पीएफआई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र में एटीएस की टीम ने मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, औरंगाबाद, पुणे, कोल्हापुर, बीड, परभणी, नांदेड़, मालेगांव (नासिक जिले में) और जलगांव में छापेमारी की। आतंकवाद रोधी एजेंसी ने मुंबई, नासिक, औरंगाबाद और नांदेड़ में भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए, 121 ए और 120 बी और कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान के तहत मामले दर्ज किए हैं।

जयपुर में कौन बनेगा प्रतिभावान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर में कौन बनेगा प्रतिभावान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय संजय नगर बीड़ जयपुर पश्चिम डीसीएम अजमेर रोड में विद्यालय प्रधानाचार्य मोहनलाल चौधरी के निर्देशन में कौन बनेगा प्रतिमान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एस.के. जैन फिल्म प्रोडक्शन फिल्म निर्देशक सुनील जैन ने बच्चों से जनरल नॉलिज संबंधित प्रश्न पूछे और बच्चों ने बड़े रोचक तरीके से सवालों का जवाब दिया। जिसमें विजेता काजल राव, कन्हैया, संजना मोरिया, पूजा माली को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। सुनील जैन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन करने का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय मूल्य भारतीय संस्कारों तथा भारत की गौरव गाथा के प्रति गौरव पूर्ण भावना के सर्जन करना हैं तथा उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाना है। विद्यालय कार्य प्रधानाचार्य मंजू धारीवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए प्रेरित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस मौके पर देवराज सिंह व्याख्याता परवीना, राजेश खगड़िया, बबीता जैन सुमन कुमारी, सुनीता सिंह आदि समस्त स्टाफ मौजूद थे। उक्त जानकारी जयपुर के सुनील जैन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सैयद इकबाल हैदर के निर्देश पर चादर पोशी का आयोजन: अच्छन अंसारी एडवोकेट

बरेली उर्स-ए-आला हजरत के अवसर पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश राज्य वन जीव परिषद के सदस्य (दर्जा राज्यमंत्री) माननीय कुंवर सैयद इकबाल हैदर साहब के निर्देशानुसार राष्ट्रीय अल्पसंख्यक परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अच्छन अंसारी एडवोकेट एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर हाशिम अंसारी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक परिषद के पदाधिकारियों द्वारा दरगाह आला हजरत पर चादर पोशी करके कौम की तरक्की एवं राष्ट्रीय अल्पसंख्यक परिषद की तरक्की और देश प्रदेश में खुशहाली भाई चारे के साथ अमन चैन शांति के लिए दुआ की गई। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर तस्लीम कुरैशी, प्रदेश महासचिव अमजद अली अल्वी, प्रदेश उपाध्यक्ष इरशाद चौधरी, प्रदेश सलाहकार साकलीन खान, प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉक्टर फहीम अहमद, प्रदेश सचिव युनिस अंसारी, मंडल प्रभारी नियाज अहमद अंसारी, मंडल उपाध्यक्ष मोहम्मद इरफान, जिला सचिव मोहम्मद कामरान अकमल, शाकिर अली अल्वी, इलियास खान सहित काफी पदाधिकारी शामिल रहे।

अभिनेत्री सना अली खान को डॉक्टर विष्णुवर्धन सिने अवार्ड से नवाजा गया

जयपुर शहर से आई मुंबई सपनों की दुनिया बॉलीवुड में बनाई एक अलग पहचान अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर आज किसी परिचय की मोहताज नहीं। कन्नड़ फिल्मों में भी बहुत जल्द आने वाली फिल्मों में आएगी नजर हाल ही में नवा कर्नाटका फिल्म एकेडमी द्वारा आयोजित डॉक्टर विष्णुवर्धन सिने अवार्ड शो जो धारवाड़ कर्नाटका में हुवा। जिसमे मुख्यत रूप से आमंत्रित सना अली खान पहुंची जिसमे डॉक्टर विष्णुवर्धन सिने अवार्ड से नवाजा गया। धारवाड़ से मुंबई पहुंची सलाह सना अली खान ने पत्रकारों से बात करते हुए खुशी जाहिर की कि मुझे धारवाड़ में अध्यक्ष नवाकर्नाटका फिल्म अकेडमी डॉक्टर ममीगट्टी ने मान सम्मान दिया और एक महान अभिनेता विष्णुवर्धन सिने अवार्ड से सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है। अभिनेत्री सना अली खान एक बहुत ही प्यारा सुंदर नाम उससे कहीं ज्यादा बेहतरीन अदाकारा मिलनसार एक्टर्स सना अली खान जो जन्म भूमि जयपुर राजस्थान से निकलकर एक सपने को लेकर सपनों की नगरी मुंबई बॉलीवुड में आई। कहते हैं इतना आसान नहीं होता मंजिल पाना लेकिन सना की मेहनत लगन और काबिलियत के सामने मंजिल का रास्ता मिल ही गया और अनेकों टीवी सीरियल शॉर्ट फिल्म मॉडलिंग शो में शुरूआत कर अपनी एक अलग पहचान बनाई और धीरे धीरे एक जाना पहचाना चेहरा और एक नाम बना सना खान से सना अली खान (अली) पैगंबर गॉड का एक पवित्र नाम है और अपने नाम पहचान के साथ आज अनेकों प्रोजेक्ट में काम कर रही है...खासकर एक्टर्स सना ने बताया की बॉलीवुड के साथ साथ रीजनल फिल्मों में भी काम कर रही है और निर्माता रमेश जुगलान निर्मित हरियाणवी फिल्म को लेकर काफी उत्साहित है क्योंकि हरियाणवी भाषा का एक अलग ही है और आज बॉलीवुड की फिल्मों में भी हरियाणवी करैक्टर या हरियाणवी भाषा का समावेश होता है। जिसका शूट जल्द ही हरियाणा देहली और पंजाब में होगा।

जयपुर में लंपी वायरस से गौवंश को बचाने के लिए खिला रहें हैं आयुर्वेदिक लड्डू

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर में मनीष सी.से. स्कूल, जोड़ला, हरमाड़ा, गायत्री नगर में स्थित गौवंश को लंपी वायरस से बचाने के लिए गायों के लिए लड्डू बनाकर दिन में लंबी वायरस से ग्रसित गोवंश को खिला रहे हैं। विद्यालय मैनेजिंग डायरेक्टर महावीर सिंह निठारवाल ने कहा कि गौवंश के लिए काल बनकर आई लम्पी स्किन डिजीज बीमारी से गायों व गोवंश बचाने के लिए देसी उपचार का सहारा लिया जा रहा है। गौ सेवक मनोज सोनी (लाम्बा) के सहयोग से गायों के लिए स्पेशल आयुर्वेदिक लड्डू बनाकर संक्रमित गोवंश और पशुपालकों को भी आयुर्वेदिक लड्डू वितरण कर गोवंश को खिलाया जा रहा है। समाजसेवी सुनील जैन व जेपी बुनकर पूर्व में भी कोरोनावायरस के दौरान मास्क, वितरण सैनिटाइजर वितरण और लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम करते आए हैं इसी कड़ी में आज गोवंश को बचाने के लिए आयुर्वेदिक लड्डू का वितरण विद्यालय बच्चों के साथ हरमाड़ा क्षेत्र में कर रहे हैं । विद्यालय डायरेक्टर मनीष निठारवाल ने गोवंश बचाने के लिए किए जा रहे इस कार्यक्रम की सराहना की और साथ ही स्थानीय लोगों से अपील की कि लंबी वायरस को जल्द से जल्द भगाना है गौ माता को बचाना है इस मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्य हेमराज मंगावा, इंचार्ज मंजू शर्मा मौजूद रहे। उक्त जानकारी जयपुर के सुनील जैन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट: लगातार तीसरी जीत चाहेगा गुजरात जाएंट्स, भज्जी की मणिपाल टाइगर्स को पहली जीत की तलाश

नई दिल्ली/जोधपुर। SKY247.net लीजेंड्स लीग क्रिकेट लीग का काफिला राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंच चुका है। दिल्ली लेग में तीन मुकाबले खेले जाने हैं, जिनकी शुरूआत गुरुवार को गुजरात जाएंट्स और मणिपाल टाइगर्स के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाली भिड़ंत से होगी। गुजरात की टीम जहां अपना शानदार लय जारी रखते हुए जीत की हैट्रिक के लिए प्रयास करेगी वहीं मणिपाल टाइगर्स जीत का खाता खोलना चाहेंगे। अच्छी बात यह है कि दोनों टीमें एक दिन के आराम के बाद दिल्ली में नए सिरे से अभियान शुरू करेंगी, जहां 22, 24 और 25 सितंबर को तीन मुकाबले खेले जाने हैं। गुजरात ने लीग के पहले चरण में कोलकाता में केविन ओ ब्रायन (106) के शानदार शतक की मदद से इंडिया कैपिटल्स को हराया था वहीं दूसरे मुकाबले में उसने पार्थिव पटेल की संक्षिप्त किंतु तूफानी पारी की मदद से लखनऊ में मणिपाल टाइगर्स पर दो विकेट के जीत हासिल की थी। अब हरभजन सिंह इस टीम के खिलाफ वीरेंद्र सहवाग की टीम लगातार दूसरी जीत चाहेगी। जहां तक मणिपाल टाइगर्स की बात है तो गुजरात के हाथों करीबी मुकाबला हारने से पहले वह लखनऊ लेग के पहले मुकाबले में भीलवाड़ा किंग्स के हाथों दो विकेट से हार गई थी। उस मैच में लोकल ब्वाय मोहम्मद कैफ ने 73 और प्रदीप साहू ने 30 रनों की उपयोगी पारी खेली थी लेकिन यूसुफ पठान के 44 रनों के अलावा तन्मय श्रीवास्तव की 28 रनों की उपयोगी पारी ने उसे हार को मजबूर किया था। गुजरात की टीम लगातार जीत रही है लेकिन उसके कप्तान और सबसे बड़े स्टार सहवाग का बल्ला खामोश है। अब सहवाग (पहले मैच में 1, दूसरे मैच में 6 रन) अपने घर में खेलते नजर आएंगे और जैसा कि पिछले दिनों ने उन्होंने अपने फैंस से अच्छी पारी का वादा किया है, दिल्ली में उनके बल्ले की चमक देखने को मिल सकती है। लीजेंड्स लीग क्रिकेट का सीजन 2 चार-टीमों का फ्रैंचाइजी मॉडल है। कोलकाता और लखनऊ के अलावा इसके मैच नई दिल्ली, कटक और जोधपुर में भी खेले जाने हैं। लीजेंड्स लीग में सिर्फ महिला मैच अधिकारियों की भागीदार सुनिश्चित की गई है। क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है, किसी टूर्नामेंट की सभी अधिकारी महिलाएं हों और वे सभी आईसीसी में सूचीबद्ध हैं। डिज्नी स्टार इस लीग का आधिकारिक प्रसारक है। लीग के सभी 16 मैचों सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जा रहा है। साथ ही डिज्नी+हॉटस्टार पर चार भाषाओं- अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में इसकी स्ट्रीमिंग भी की जा रही है।

जयपुर में पीपल्स ग्रीन पार्टी के अध्यक्ष डॉ सुधांशु साथियों सहित गिरफ़्तार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर में पीपल्स ग्रीन पार्टी के अध्यक्ष डॉ सुधांशु एवं पार्टी के अन्य साथियों को यहाँ जयपुर स्थित शहीद स्मारक सभा मैदान से गिरफ़्तार किया गया। इससे पहले हजारों की संख्या में एकत्र पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए डॉ सुधांशु ने कांग्रेस और भाजपा पर मिलीभगत कर बजट का अधिकांश हिस्सा हड़प लेने का आरोप लगाते हुए पार्टी के हिसाब दो आंदोलन का आरम्भ किया। पार्टी के प्रदेश महामंत्री मेघराज कुमावत ने बताया की पार्टी मोदी सरकार और गहलोत सरकार से पाँच साल का हिसाब माँग रही है। पार्टी का आरोप है की केंद्र और राज्य सरकार बजट के 90% धन को करीब पाँच प्रतिशत लोगों को दे रही है और 95% नागरिकों के हिस्से में कुछ नहीं आ रहा है और यही गरीबी, बेरोजगारी और बदहाली का मूल कारण है। पीपल्स ग्रीन पार्टी ने आज से प्रदेशव्यापी जनजागरण अभियान आरम्भ किया है। महामंत्री मेघराज के अनुसार पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा मुख्यालय पर मोदी जी के नाम ज्ञापन प्रस्तुत करने निकले थे और पुलिस ने डॉ सुधांशु, डॉ तन्मय, नसीम अंसारी, मुकेश शर्मा, अयूब खान आदि को हिरासत में ले लिया। पार्टी ने दावा किया है की जल्द ही आंदोलन पूरे प्रदेश में फैल जाएगा। उक्त जानकारी जयपुर के पत्रकार मोहम्मद अजहरुद्दीन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जनवाणी केन्द्र पंतनगर में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत काव्य पाठ का आयोजन हुआ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति (पंजीकृत राष्ट्रीय स्तर) द्वारा जनवाणी केन्द्र पंतनगर में काव्य पाठ का आयोजन किया गया। संस्था के मीडिया प्रभारी गुरूदीन वर्मा ने बताया कि इस समारोह में संस्था के संस्थापक विवेक बादल बाजपुरी सहित दिल्ली से रिंकू निगम, वाराणसी से हारून राशिद , नवीन आर्या, पीलीभीत से नीलेश कुमार ने हिन्दी पखवाड़े के अन्तर्गत जनवाणी केन्द्र में काव्य पाठ किया जिसका प्रसारण शुक्रवार को 90.8 मेगाहटर्ज पर प्रसारित किया जाएगा,

हिन्दी भाषा और साहित्य साहित्य के उत्थान हेतु इस काव्य पाठ का आयोजन सुनिश्चित किया गया और सभी प्रतिभागियों को सम्मान सहित पुरस्कृत किया गया। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार पिछले वर्ष बुलंदी संस्था ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु 207घंटे का अनवरत कार्यक्रम आयोजित करवाया था जिसे इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज भी किया गया और इस वर्ष भी 23अगस्त से 5 सितंबर तक अनवरत370 घंटे का अंतरराष्ट्रीय वर्च्युअल कवि सम्मेलन करवाया है जिसमें दुनिया भर से 45देशों के हिन्दी कवियों ने सहभागिता सुनिश्चित की जिसे इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। बुलंदी संस्था उत्तराखंड के बाजपुर से संचालित होती है और विश्व में हिंदी साहित्य का डंका बजाती है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

ऑल इंडिया रैंक में चयन होने पर जीनत महल मंसूरी का आल इंडिया मंसूरी समाज की तरफ से स्वागत किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आल इंडिया मंसूरी समाज राजस्थान प्रदेश सरपरस्त हाजी जवरी खान मंसूरी खेजड़ी जिला भीलवाड़ा फिरोज खान मंसूरी हाजी सिराजुद्दीन मंसूरी इरफान मोहम्मद मंसूरी रुखसाना बानू मंसूरी इनायत बानू मंसूरी ने जीनत महल मंसूरी D/O सरवर तंवर मंसूरी ने डॉक्टर कोर्स के लिए NEET 2022 में 668 के स्कोर 99.89% एवं आल इन्डिया रेन्क 1819 पर चयन होने से उनके घर कुचामन सिटी जाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर हाजी मोहम्मद सलीम साहब मंसूरी कुचामन हाजी अब्दुल रजाक मंसूरी बम्बई, सरवर तंवर मंसूरी कुचामन उपस्थित थे। उक्त जानकारी वरिष्ठ समाजसेवी जवरुद्दीन मंसूरी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

देश में संस्कारवान नई शिक्षा नीति की आवश्कता हैं: डॉ. नरेंद्र आहूजा विवेक

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वाधान में 'राष्ट्र निर्माण में युवा' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल में 446 वां वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता डॉ. नरेंद्र आहूजा विवेक ने कहा कि जैसे एक पहाड़ी नदी के जल में गति ऊर्जा होती है ठीक वैसे ही युवाओं में भी ऊर्जा और तीव्र गति होती है। पहाड़ी नदी के बहते जल को अगर बांध कर नियंत्रित करके उसका प्रयोग किया जाए तो ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जैसे टिहरी बांध से बिजली बना कर राष्ट्र निर्माण प्रगति में प्रयोग किया जाता है।ठीक इसी प्रकार युवाओं को भी उनके माता पिता आचार्यों द्वारा दिए गए संस्कारों के बांध से बांध कर उनकी ऊर्जा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण में किया जाना चाहिए। यदि तीव्र जल प्रवाह वाली नदी पर बांध ना बंधा हो तो हिमालयन सुनामी जैसी विभीषिका आ जाती है।ठीक उसी तरह युवा पीढ़ी को संस्कार ना देने पर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली जैसी शर्मनाक एम एम एस कांड जैसी घटनाएं होती हैं जो समाज और राष्ट्र के लिए कलंक का कारण बनती हैं। विवेक ने युवा वर्ग को संस्कारित करने के लिए गुरुकुलीय आचार्यकुलम या डी ए वी जैसी संस्कार देने वाली शिक्षा व्यवस्था लागु करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि स्वाधीनता प्राप्त करने के समय मैकाले की गुलामी की मानसिकता बनाने वाली और मनुष्य न बनाने वाली शिक्षा नीति को दोषी बताया।विवेक ने कहा कि भगवाकरण के आरोप की परवाह ना करते हुए हमें संस्कार देने वाली नई शिक्षा लागु करने पर बल दिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का भविष्य है उसका संस्कार वान निर्माण होना अत्यन्त आवश्यक है। मुख्य अतिथि आर्य नेता धर्मेन्द्र बजाज व अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा ने भी युवाओं की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य युवक परिषद निरंतर युवा निर्माण में कार्यरत रहता है।गायिका जनक अरोरा,कृष्णा गांधी, रजनी चुग,ईश्वर देवी, सुदर्शन चौधरी, अंजू आहूजा, कृष्णा पाहुजा, अनिता रेलन (कनाडा) ,कुसुम भंडारी ललिता (बंगलौर),कमला हंस,राज अरोडा आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में शराब ने भतीजे से मरवाई चाचा को गोली: हालत गंभीर

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। गुरुवार की सुबह शराब के नशे में बाकी जैसे चाचा को गोली मरवा दी उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है वहीं पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। शराब के नशे के दौरान हुए विवाद में सिर में सटाकर गोली मारने वाली यह घटना बिल्हौर क्षेत्र के रसूलपुर गांव में हुई। प्राप्त विवरण के मुताबिक रसूलपुर गांव निवासी 45 वर्षीय चाचा सुनील सिंह चौहान उर्फ ललोनी पुत्र स्व हुकुम सिंह वर्ष 2009 में कन्नौज के तिर्वा थाना क्षेत्र से बच्चे के अपहरण के मामले में जेल गए थे और 15 अगस्त को ही जेल से जमानत पर बाहर आए थे। पुलिस

को दी गई जानकारी के मुताबिक बुधवार शाम उनका पड़ोस में रहने वाले पारिवारिक भतीजे प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू पुत्र स्व महिपाल सिंह के साथ शराब के नशे में विवाद हुआ था। परिवार वालों का आरोप है कि इस दौरान गुड्डू ने जान से मारने की धमकी दी थी और आज गुरुवार सुबह ललोनी नित्य क्रिया के बाद जब घर के सामने हैंडपंप के पास बने चबूतरे पर बैठे थे। इस बीच गुड्डू सिंह ने तमंचे से चाचा के सिर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस लहूलुहान पड़े ललोनी को सीएचसी ले गई। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने उन्हें गंभीर हालत में कानपुर एलएलआर रेफर कर दिया। घटना की वजह के संबंध में जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर अतुल कुमार सिंह ने बताया कि परिवार के लोगों ने पारिवारिक भतीजे प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू पर गोली मारने का आरोप लगाया है। आरोपित की तलाश की जा रही है।

लापता

नाम : शमीम नियाज शेख

उम्र : 46 साल

रहिवासी : मलाड ईस्ट पठान वाड़ी इंद्रा नगर अपने घर से पिछले दो दिनों से लापता हैं घर से 20 सप्टेंबर 2022 को काम पर जानेके लिए निकले थे। लेकिन उनके बेटे रियासत शेख ने बताया कि जब उनके बोस का फोन आया 10.30 बजे और उसके बाद 12.30 बजे फिर शमीम शेख के बोस का फोन आया की अभी तक काम पर नहीं आए हैं तब घर वाले हरकत में आए और सबजगह तपास किते आस पास के अस्पताल में भी तपास किये लेकिन कोई अता पता नहीं है। घर वालों की अब पुरी उम्मीदें मुंबई पुलिस पर टीकी हुइ हैं की मुंबई पुलिस शमीम शेख को ढुंढ ने में घरवालों की मदद करें साथ में साशन प्रशासन से मांग किए हैं की जल्द से जल्द शमीम शेख को तलाश करने में मदद करें।

अगर किसी को कुछ भी पता चलता है तो कृपया इन नंबरों पर संपर्क करें।

रियासत शेख : 9920361338 / 9769807689
मोहम्मद कलीम : 9076905665
रियाज भाई : 8779000737

इन नंबरों पर संपर्क करें और कुरार पुलिस स्टेशन मलाड ईस्ट में भी जानकारी दे कर संपर्क करें।

नीरज के . पवन कलेक्टर से बनेंगे शिक्षक, निर्धन प्रतिभाओं को करवाएंगे विषय अध्यापन

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। प्रदेश भर में राजीव गांधी वेलफेयर सोसाइटी एक पहल द्वारा आईएएस और आरएएस की निशुल्क कक्षाओं का अक्टूबर महीने से प्रसारण प्रारंभ होने जा रहा है इसका उद्देश्य कोचिंग इंडस्ट्री की लगातार बढ़ती फीस, बढ़ती महंगाई, युवाओं पर पड़ते सफलता के दबाव और ग्रामीण क्षेत्र की निर्धन प्रतिभाओं के आईएएस और आर एस बनने के सपने को पूरा करना और महिलाओं के उच्च अधिकारी बनने के अवसरों कि उपलब्ध करवाना है सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि जिस उम्र अवस्था में एक बेटी अपने पिता से आईएएस बनने के लिए तैयारी करने के लिए कहती है उस उम्र में पिता चाहता है कि वह जीवन की जमा की गई पूंजी से उसकी शादी में दहेज में लगा दे ताकि उसे एक अच्छा वह मिल जाए तैयारी और शादी के दहेज में से पिता हर बार दहेज को ही चुनता है जिससे न जाने कितनी

ही महिलाओं के आईएएस बनने का सपना टूट जाता है अब इस सपने के बीच फीस नहीं आएगी। देव अमित सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नीरज के पवन संभाग आयुक्त बीकानेर स्वयं आईएएस के प्रति योगियों के लिए भूगोल विषय और मनोविज्ञान से संबंधित कक्षाओं का अध्यापन कार्य करवाएंगे जिसका प्रसारण प्रदेश के विद्यालयों महाविद्यालयों आवासीय विद्यालय और विश्वविद्यालयों में किया जाएगा कक्षाएं नियमित रहेंगी आईएएस ऑफिसर की कक्षाओं को शनिवार और रविवार को वीकेंड रखा गया है। सीनियर आईएएस नीरज के पवन हमेशा सामाजिक कार्यों के लिए भी सुर्खियों में बने रहते हैं पिछले बार वह जब सुर्खियों में आए थे सड़क हादसे में एक व्यक्ति को अपनी गाड़ी से हॉस्पिटल पहुंचाया था इस बार कलेक्टर से शिक्षक प्रदेश भर में वह एक नई मिसाल देंगे कलेक्टर के रूप में तो वह प्रदेशभर मैं अपना प्रभाव दिखा चुके हैं अब देखना यही है कि छात्र एवं छात्राओं पर उनके इस अंदाज का क्या प्रभाव पड़ता है। जब हमने इस संस्थान के बारे में देव अमित सिंह से जाना तो उन्होंने बताया कि पिछले 5 वर्षों से हम लगातार निशुल्क आईएएस और आर एस की कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं इस संस्था के प्रदेश में स्थापित होने और इस स्तर पर पहुंचने के पीछे सबसे बड़ा योगदान सीनियर आईएएस नीरज के पवन सर का है जिनकी वजह से मैं आज यहां तक पहुंचा हूं मैं उनका हमेशा ऋणी रहूंगा और हमेशा उनके बताए मार्ग पर चलता रहूंगा।

वार्ड नंबर 7 में एएमआईएम समर्थित प्रत्याशी सरिता को मिल रहा है भारी समर्थन

मुंबई हलचल / फहीम अहमद राज

हरिद्वार। जिला पंचायत सदस्य के वार्ड क्र. 7 बोडाहेड़ी में एमआईएम समर्थित प्रत्याशी सरिता की स्थिति काफी मजबूत नजर आ रही है। इसकी वजह यह है कि चुनाव प्रचार की कमान संभाल रहे शाहबाज राणा का क्षेत्र में काफी रसूख है। इस चुनाव से पहले शाहबाज राणा 2 चुनाव लड़ चुके हैं पिछला चुनाव उन्होंने काफी कम अंतर से हारा था, चुनाव हारने के बाद भी वह क्षेत्र के लोगों से जुड़े रहे और बिना किसी भेदभाव के लोगों का काम करते रहे इस सेवा को देखते हुए क्षेत्र के लोगो का इस बार शहबाज राणा समर्थित प्रत्याशी सरिता को समर्थन मिलता दिख रहा है, शाहबाज राणा बिना किसी निर्वाचित पद में न रहने के बावजूद जनसेवा के प्रति समर्पित रहने का फायदा उन्हें मिल रहा है। इस वजह से वार्ड में उनके पक्ष में बयार बह रही है। वार्ड नंबर 7 इस चुनाव में खासा चर्चे में है। जनहित और वार्ड के विकास के प्रति सकारात्मक सोंच रखने वाले शाहबाज राणा की समर्थित प्रत्याशी सरिता इस वार्ड से बतौर हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एएमआईएम प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। वार्ड नंबर 7 से सरिता की जीत सुनिश्चित करने के लिए उनके कार्यकर्ता दिन रात वार्ड में सक्रिय हैं। शाहबाज राणा एक साफ-सुथरी छवि वाले व्यक्ति हैं उन्होने किसी पद

पर निर्वाचित न होने के बावजूद भी क्षेत्र का और क्षेत्र के लोगों के कार्य किए हैं वह हमेशा क्षेत्र के लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, एक समाजसेवी होने के साथ ही बिना किसी स्वार्थ के जनहित और जनसेवा में सक्रिय रहते हैं। वह लंबे समय से इस क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय रहें है। इसका लाभ उनको इस चुनाव में मिलता साफ नजर आ रहा है। खासकर दलगत राजनीति से हटकर हर किसी के सुख झ दुख में सहभागिता देने की उनकी शैली इस चुनाव में मतदाताओं के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जिला पंचायत 2022 के चुनाव में यह वार्ड आरक्षित श्रेणी के लिए रिजर्व हो गया लेकिन जनभावना को देख जिला पंचायत सदस्य का चुनाव न लड़ कर, इस बार शाहबाज राणा ने इस वार्ड से एएमआईएम प्रत्याशी सरिता को अपना समर्थन देकर चुनाव लड़ा रहे हैं, वही शाहबाज राणा ने पूरे चुनाव की प्रचार प्रसार की कमान खुद संभाली हुई हैं, वह गांव-गांव घर-घर जाकर मतदाताओं से सरिता के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं, और साथ ही वार्ड के चहुमुखी विकास का वादा कर रहे है।

मरहूम हाजी साबिर टॉक की 28वीं बरसी पर एक तकरीर का हुआ आयोजन

बाली में मरहूम हाजी साबिर टॉक की 28वीं बरसी पर एक तकरीर का हुआ आयोजन। जिसमें अहमदाबाद से आए बीन खुसूस हजरत पीर गुलाम हाशमी साहब ने तकरीर की तकरीर में एजुकेशन को लेकर समाज के ऊपर खूब जोर दिया। मां बाप को चाहिए अपने बच्चों को खूब पढ़ाए अच्छी तालीम दे अच्छी शिक्षा दें। आजकल के नौजवान पढ़ाई को छोड़कर मोबाइल व नशे के आदी हो गए। आखिर में हजरत हाशमी अशरफी ने बताया मां बाप की सेवा करो उस्ताद की इज्जत करो गुरुओं का कहना मानो। पीर हाशमी अशरफी ने संस्कृत इंग्लिश उर्दू में लोगों को ज्ञान दिया। जिसमें नाते पाक का तराना पेश किया सैयद इम्तियाज, अली वह सैयद इमरान अली, मेहमान हजरत मोहम्मद सिद्दीकी नूरी चित्तौड़, हजरत सैय्यद महबूब अत्तरी, अली इमाम जामा मस्जिद बाली, हाफिज जहीरूद्दीन बाली, मौलाना मोहम्मद युसूफ सिद्दीकी बाली, कारी सलीम अकबरी बाली मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

Bloating से हैं परेशान तो आज ही शुरू करें ये काम

ब्लोटिंग यानि पेट फूलना, जिससे पेट का आकार बढने लगता है। इसे पेट की सूजन भी कहते हैं। सामान्य तौर पर ऐसा खाना खाने के बाद महसूस होता है। यह समस्या तब आती है जब छोटी आंत के अंदर गैस भर जाती है। इसका सीधा संकेत पाचन क्रिया में गड़बड़ी भी है। वैसे तो इसे आम समस्या समझा जाता है लेकिन नजरअंदाज करने पर यह बीमारी गंभीर भी बन सकती है। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे लाइफस्टाइल में गड़बड़ी,हार्मोनल असंतुलन ,बासी भोजन का सेवन,पेट में पानी या फ्लूइड का भर जाना, कब्ज, ज्यादा देर तक भूखे या फिर कई घंटे एक ही जगह पर बैठे रहना,पीरीयड्स आने पर होने वाले शारीरिक बदलाव भी पेट के फूलने का कारण बनते हैं। इसके अलावा दवाइयों का अधिक सेवन या और भी बहुत से कारण हैं जो ब्लोटिंग की वजह हैं। इससे सेहत पर भी बहुत बुरा असर पड़ता है, इससे छुटकारा पाने के लिए सही लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है।

लक्षण

1. घबराहट
2. भूख न लगना
3. बेचैनी
4. पेट में दर्द
5. कब्ज या दस्त
6. वजन घटना
7. थकान
8. तेज सिरदर्द या कमजोरी

इस तरह पाएं ब्लोटिंग से छुटकारा

इस परेशानी में पेट फूला हुआ और सख्त महसूस होता है। कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करने से इस समस्या से राहत पाई जा सकती है।

1. अजवायन

खाना खाने के बाद भारीपन के साथ-साथ बेचैनी या घबराहट होने लगती है तो थोड़ी सी अजवायन के साथ सेंधा नमक चबाचबा कर खाएं। इसके बाद गुनगुना पानी पी लें। इससे पेट में बनने वाली गैस से राहत मिलेगी और पाचन क्रिया भी दुरूस्त हो जाएगी।

2. तुलसी

तुलसी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है और यह आसानी से मिल भी जाती है। पेट से जुड़ी किसी भी समस्या से राहत पाने के लिए इसका सेवन करना बैस्ट है। कुछ दिन सुबह खाली पेट 3-4 तुलसी की ताजी पत्तियों का सेवन करें। इससे पेट फूलने की समस्या दूर हो जाएगी।

3. गुनगुना पानी

गुनगुने पानी का सेवन पेट की सूजन,अपच के साथ-साथ और भी बहुत सी समस्याओं से राहत दिलाने में कारगर है। खाना खाने के बाद ठंड़ा पानी पीने की जगह गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। सुबह उठकर एक गिलास गुनगुना पानी पीने से कब्ज नहीं होती और पेट भी तंदुरूस्त रहता है।

4. पुदीना

पुदीने का सेवन करने से पेट में जमा होने वाली गैस आसानी से निकल जाती है, जिससे ब्लोटिंग की परेशानी नहीं होती। दिन में एक बार पुदीने की चाय पीने से भी फायदा मिलता है। इसके अलावा खाने में पुदीने की चटनी भी शामिल कर सकते हैं। इससे बदहजमी नहीं होती। आप सुखे पुदीने का सेवन मिश्री के साथ भी खा सकते हैं।

5. कद्दू

पेट से जुड़ी हर समस्या के लिए कद्दू बैस्ट है। इसमें विटामिन ई,पोटाशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जिससे खाना आसानी से पचने लगता है। दिन में एक बार कद्दू का सेवन जरूर करें।

6. केला

कैल्शियम, पोटाशियम और फाइबर के लिए केला बहुत बढ़िया है। यह कब्ज,गैस और पेट के फूलने से जुड़ी समस्या के लिए बहुत लाभकारी है। रोजाना एक केले का सेवन काले नमक के साथ करने से पेट से जुड़ी परेशानियां दूर रहती हैं।

7. सौंफ

सौंफ में एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं, खाना खाने का बाद इसे चबाचबा कर खाएं। इससे पेट की गैस आसानी से निकल जाती है। इसके अलावा एक कप गर्म पानी में 1चम्मच सौंफ के बीज भी डाल कर 5 से 10 मिनट ढक्कर रख दें। इसके बाद इस मिश्रण को छानकर इसका सेवन करें। इसका सेवन दिन में 2 से 3 बार करें।

बेलपत्र भी है फायदेमंद, चेहरे और बालों पर करें इस्तेमाल

भगवान शिव को खुश करने के लिए लोग शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाते है। माना जाता है कि इसके बिना शिवजी की पूजा अधूरी होती है। पूजा के अलावा आप इसे चेहरे और बालों को सुंदर बनाने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बेलपत्र में प्रोटीन, बीटा-कैरोटीन, थायमीन, कैल्शियम, आयरन, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन सी आदि कई पोषक तत्व पाएं जाते हैं जो कि बेजान और रूखी त्वचा में चमक लाने में काफी मददगार होते है। आज हम आपको बेलपत्र या इसके रस से होने वाले फायदों और इसे इस्तेमाल करने का तरीका बताएंगे। जिसे अपनाकर आप बालों और स्किन संबधी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं।

1. चेहरे और स्किन के लिए बेलपत्र के फायदे

☞ चेहरे पर ग्लो पाने के लिए बेल के रस को थोड़े गुनगुने पानी में मिला कर इसमें शहद की कुछ बूंदें डालें और इसे लगातार पीने से खून भी साफ रहता है।

☞ अगर आप शरीर की दुर्गंध से परेशान है तो अपने शरीर पर बेल के पत्तों का रस एक घंटे के लिए लगा रहने दें और बाद में नहा लें। इस तरह शरीर की दुर्गंध खत्म हो जाएगी।

☞ कई बार कुछ लोगों के चेहरे या शरीर पर सफेद दाग होते हैं। उन दागों पर बेल का पेस्ट बना कर लगाने से आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। इसमें ऐसे तत्व पाएं जाते हैं जो इन दागों को स्किन कलर जैसा बना देते हैं।

☞ जिन लोगों के चेहरे पर दाग-धब्बे और खुजली के निशान है। इससे निजात पाने के लिए वह बेलपत्र के रस में जीरा मिलाकर पीएं।

2. बालों के लिए बेलपत्र के फायदे

☞ जो लोग झड़ते बालों की समस्या से परेशान है तो इसे रोकने के लिए हर रोज बेल पत्ते को धोकर इसका सेवन करें। इसे रोजाना खाने से आपको एक सप्ताह में फर्क दिखने लगेगा।

☞ सिर में जूं पड़ जाने पर पके बेल के छिलके को साफ करके उसमें तिल का तेल और कपूर मिक्स कर लें। फिर इस तेल को हर रोज सिर में लगाएं। इसे लगाने से सिर में एक भी जूं नहीं रहेगी।

मोटापा ही नहीं, इन रोगों में भी फायदेमंद हैं सेब का सिरका

बहुत से लोग सेब के सिरके यानि एप्पल साइडर विनेगर का इस्तेमाल वजन घटाने के लिए करते हैं, लेकिन इसमें कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं जो कई रोगों को दूर करते हैं जैसे शुगर कंट्रोल, कोलेस्ट्रॉल कम करना, चेहरे से दाग-धब्बों को हटाना आदि। कुछ लोग इसे सोने से पहले पीते है। सिरके का प्रयोग सलाद में भी किया जाता है। आज हम आपको इससे दूर होने वाले रोगों के बारे में बताएंगे। सेब के सिरके के ये गुण शायद आपको भी न पता हो। आइए जानते है एप्पल साइडर विनेगर के अनगिनत फायदे।

1. मोटापा घटाए सिरका

सेब का सिरका मोटापा घटाने में काफी कारगर साबित होता है। इसको पीने से कैलोरी बर्न होती है। अगर आप अपना मोटापा कम करना चाहते है तो 2 चम्मच सिरके में 1 गिलास गुनगुना पानी मिलाएं। आप चाहें तो इसमें शहद भी मिला सकते है। इसको रोजाना पीएं।

2. बैक्टीरिया कम करें

सेब का सिरका कई तरह के हानिकारक बैक्टीरिया को मारकर शरीर की बीमारियों से सुरक्षा करता है। सिरके में एसिटिक एसिड होता है, जो बैक्टीरिया को मार देता है। साथ ही पेट के कीड़े भी गायब हो जाते है और पाचन दुरुस्त रहता है।

3. ब्लड शुगर कंट्रोल

सेब का सिरका ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखना सबसे अच्छा तरीका है। इससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा भी कम होता है। रोज रात को 2 चम्मच सेब के सिरके को 1 गिलास गुनगुने पानी में डालकर पीएं। इसमें एसिडिक एसिड की मात्रा होती है जो ब्लड शुगर को कम करने में फायदेमंद है।

4. गले की समस्याएं

गले में होने वाली सभी समस्याओं जैसे- गले में खराश, इंफेक्शन, टॉन्सिल आदि को झट से दूर करने में कारगर है सिरका। रात को सोने से एक घंटा पहले 1 चम्मच सेब के सिरके को गुनगुने पानी में मिलाकर पीएं और गरारा करें। इससे गले का दर्द भी दूर हो जाएगा।

5. पाचनशक्ति बढाएं

सेब के सिरके में एसिटिक एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो कि पेट की समस्याएं जैसे कब्ज, पेट दर्द, पेट में कीड़े, पेट में इंफेक्शन आदि को ठीक करने में काफी मददगार होता है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए रोज रात सोने से आधा घंटा पहले 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच सेब के सिरके को गुनगुने पानी में मिक्स पीएं।

6. पैर का दर्द

पैरों या जांघों के दर्द से राहत पाने के लिए भी सेब के सिरके का इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि इसमें पोटाशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इस समस्या को ठीक करने के लिए रोज रात सोने से पहले 2 चम्मच सेब का सिरका गुनगुने पानी में मिला कर पीएं। इससे बहुत जल्दी पैरों के दर्द से आराम मिलेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अनन्या का खुलासा

भावना पांडे, महीप कपूर और गौरी खान करण जौहर के चैट शो के 12वें एपिसोड में नजर आईं। करण ने चैट शो के दौरान एक खुलासा करते हुए कहा कि भावना की बेटी अनन्या पांडे ने दो लड़कों को एक साथ डेट किया है। भावना ने इस पर रिएक्ट करते हुए क्लेरिफिकेशन दी है। अनन्या ने कुछ महीने पहले अपने बॉयफ्रेंड ईशान खट्टर से ब्रेकअप कर लिया था। भावना की तरफ देखते हुए करण कहते हैं, मुझे लगता है कि अनन्या पहले ही दो लड़को को डेट कर चुकी हैं। भावना ने चौंकते हुए पूछा, क्या उसने सच में ऐसा किया है। करण ने कहा, हां, मुझे लगता है कि वो दो लोगों के बीच में थीं। भावना ने करण की बात को क्लेरिफाई करते हुए कहा, नहीं ऐसा नहीं है, वो दो लोगों के बारे में सोच रही थी, इसलिए उसने पहले वाले से ब्रेकअप कर लिया। करण जौहर के शो के 7वें एपिसोड में अनन्या पांडे, विजय देवरकोंडा के साथ गेस्ट के रूप में पहुंची थीं। चैट शो में वो लोग चर्चा कर रहे थे कि लाइगर की शूटिंग के दौरान अनन्या और विजय किस तरह की डेट पर गए थे। करण ने अनन्या से पूछा था, तुम विजय के साथ डेट पर गई थीं, जबकि उस वक्त तुम ईशान को डेट कर रही थीं? विजय और अनन्या, दोनों ने कहा कि ये एक 'फ्रेंडली डेट' थी। करण ने बाद में कंफर्म किया कि अनन्या ने ईशान खट्टर को डेट किया है। अनन्या ने कहा था, मैं सिंगल हूं, कोई मुझसे नहीं पूछ रहा है, लेकिन मैं सिंगल हूं। करण ने कहा था, तुम ईशान को डेट कर रही थीं, फिर तुमने ब्रेकअप कर लिया। हर कोई जानता है कि तुमने ईशान को डेट किया है।' साथ ही करण ने सवाल कि क्या वो कार्तिक आर्यन को डेट कर रही हैं? अनन्या ने कहा था, हम सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

क्या सामंथा ने दूसरी शादी के लिए भरी हामी?

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की प्रोफेशनल लाइफ इस वक़्त काफी अच्छी चल रही है। उनके पास बैक टू बैक कई प्रोजेक्ट्स है। वही सामंथा अब बॉलीवुड डेब्यू के लिए भी एक दम तैयार है। लेकिन बात अगर एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ की करे तो वो भी कम चर्चित नहीं रही। सामंथा की लव लाइफ भी काफी कंट्रोवर्सिअल रही है। हाल ही मे एक्ट्रेस ने अपने डाइवोर्स की वजह से खूब सुर्खियां बटोरी थी। नागा चैतन्य से पहले प्यार और फिर शादी के बाद तो सामंथा लाइमलाइट मे थी ही, लेकिन इनके तलाक ने फैंस का दिल तोड़ दिया था। जिसकी वजह आज तक सामने नहीं आ पाई है। लेकिन ये जरूर साफ हो गया था कि तलाक के बाद अब एक्ट्रेस दूसरी शादी के इरादे मे बिल्कुल नहीं है। मगर अब खबरों की माने तो, नागा चैतन्य से अलग होने के बाद एक्ट्रेस ने आगे बढ़ने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स है कि सामंथा दूसरी शादी की तैयारी में हैं। वो अपना अतीत भूलकर आगे बढ़ने की कोशिश कर रही हैं। दरअसल, एक्ट्रेस के इस मुश्किल वक़्त में उनका एक करीबी उनकी मदद कर रहा है। आपको बता दे, एक्ट्रेस के अचानक बदले गए इस फैसले के पीछे 'सद्गुरु जगदीश वासुदेव' है। जिन्होंने सामंथा को आगे बढ़ते हुए दूसरी शादी की सलाह दी है। और अब एक्ट्रेस ने उनकी ये सलाह मान भी ली। वही, जबसे सामंथा रुथ प्रभु की दूसरी शादी की खबरें इंटरनेट पर सामने आई हैं, फैंस एक्ट्रेस के लिए काफी खुश नजर आ रहे है। अब सबको इसी बात का इंतजार है कि कब एक्ट्रेस को अपने लिए सही जीवन साथी मिएगा? और कब उनकी जिन्दगी एक बार फिर पटरी पर आएगी ?

बेटे आर्यन की गिरफ्तारी पर गौरी खान ने तोड़ी चुप्पी

गौरी खान हाल ही में 17 साल बाद करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में नजर आई हैं। चैट शो में करण ने गौरी से केस के बारे में इंडायरेक्टली बात करते हुए पूछा, यह आर्यन के लिए बहुत ही मुश्किल रहा होगा और आप सब मजबूती से एक साथ खड़े रहे। एक मां के रूप में मैं तुम्हें समझ सकता हूं। हम सब एक ही फैमिली के मेंबर्स हैं और मैं भी उसी परिवार का एक सदस्य हूं। यह बिल्कुल आसान नहीं रहा होगा और गौरी आप पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होकर उभरी हैं। आपका क्या कहना है ऐसी मुश्किल सिचुएशन को संभालने को लेकर जब परिवार पर मुसीबत आती है? इसके बाद गौरी पहली बार आर्यन खान की गिरफ्तारी पर बोलीं, हम जिस दौर से गुजरे हैं, उससे बुरा कुछ नहीं हो सकता है। लेकिन हम फैमिली के रूप में एक अच्छे स्पेस में हैं। सब हमें प्यार कर रहे हैं। हमारे सारे दोस्त और जिन लोगों को हम जानते भी नहीं, उन्होंने भी हमारा साथ दिया है। इतने सारे प्यार और मैसेजेस के लिए मैं खुद को ब्लेस्ड फील करती हूं। जिन लोगों ने हमारी मदद की है, मैं उन सभी की हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।